मोदी ने कहा भारत इजरायल के साथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर युद्ध स्थिति की पूरी जानकारी दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा कि इस मुश्किल घड़ी में भारत के लोग उनके देश के साथ दृढ़ता से खड़े हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री ने हमास के खिलाफ जवाबी हमलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने मारे गए और घायल हुए लोगों के प्रति अपनी गहन संवेदना प्रकट की। मोदी ने इजरायल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। नेतन्याहू ने मोदी को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'मैं प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के फोन कॉल के लिए और मौजूदा हालात पर जानकारी देने के लिए उन्हें शुक्रिया अदा करता हूं। भारत की जनता इस मुश्किल घड़ी में मजबूती से इजरायल के साथ खड़ी है। भारत आतंकवाद के सभी स्वरूपों की पुरजोर और स्पष्ट रूप से निंदा करता है।'

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

इजरायल को समर्थन देने के लिए अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली के साथ आए ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इजरायल में जारी संघर्ष पर चर्चा के लिए अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं से बात की है। इसके कुछ समय बाद सुनक उत्तरी लंदन के एक यहूदी उपासनागृह में आयोजित प्रार्थना में शामिल हुए और देश के यहूदी समुदाय को आश्वस्त किया कि वह उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। सुनक ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मनी के चांसलर ओलाफ शॉल्ज और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ अपने संयुक्त बयान में इजरायल के लिए 'दृढ़ता और एकजुटता' के साथ समर्थन व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के भयावह कृत्यों के लिए हमास की स्पष्ट तौर पर निंदा भी की। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा, 'हम स्पष्ट करते हैं कि हमास की आतंकवादी कार्रवाइयों का कोई औचित्य नहीं है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए। आतंकवाद का कभी कोई औचित्य नहीं होता।'

भारत संकट को कम करने में भूमिका निभाने के लिए अच्छी स्थिति में : फिलिस्तीनी राजदूत

फिलिस्तीन मुद्दे के साथ भारत की एकजुटता महात्मा गांधी के समय से चली आ रही है और अपने बढ़ते वैश्विक कद और पश्चिम एशिया के सभी प्रमुख पक्षों पर प्रभाव से वह इजरायल-हमास संघर्ष से उत्पन्न संकट को कम करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिहाज से अच्छी स्थिति में है। फिलिस्तीनी राजदूत अदनान अबु अलहैजा ने मंगलवार को यह बात कही। अलहैजा ने कहा कि भारत इजरायल और फिलिस्तीन दोनों का एक 'मित्र' हैं और वह तनाव कम करने की दिशा में काम करने और फिलिस्तीन मुद्दे के समाधान में योगदान देने में 'सक्षम' है।

एयर इंडिया ने टिकट रद्द करने पर शुल्क हटाया

एयर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि इजरायल के तेल अवीव शहर को जाने वाली या वहां से भारत आने वाली उड़ान का टिकट रद्द करने या यात्रा तारीख में बदलाव पर वह कुछ समय तक कोई शुल्क नहीं लेगी। एयर इंडिया ने तेल अवीव से भारत तक की अपनी उड़ानें 14 अक्टूबर तक के लिए निरस्त कर दी हैं। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि वह तेल अवीव की अपनी उड़ानों में टिकट ले चुके अपने ग्राहकों को टिकट रद्द करने या उसके कार्यक्रम में एक बार बदलाव पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं लेगी। यह सुविधा 9 अक्टूबर से पहले बुक कराए गए उन टिकटों पर मिलेगी जिनपर यात्रा 31 अक्टूबर तक होने वाली है।

अमेरिका ने भी उड़ानों पर रोक लगाई

इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच प्रमुख विमान कंपनियों ने इजरायल में उड़ानों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। अमेरिकन एयरलाइन्स, यूनाइटेड एयरलाइन्स और डेल्टा एयरलाइन्स ने अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं। कंपनियों ने यह फैसला आतंकवाद और नागरिक अशांति की आशंका का हवाला देते हुए इस क्षेत्र के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से यात्रा परामर्श जारी होने के बाद लिया है। अमेरिकन एयरलाइंस ने शुक्रवार तक तेल अवीव के लिए सेवा निलंबित कर दीं। कंपनी ने कहा, 'हम सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे और अपनी उड़ानों को समायोजित करेंगे।' यूनाइटेड एयरलाइंस ने कहा कि उसने शनिवार देर रात और रविवार तड़के तेल अवीव से दो निर्धारित उड़ानों की अनुमति दी और हवाई अड्डे पर मौजूद अपने यात्रियों, चालक दल और कर्मचारी यात्रियों को समायोजित किया। एयरलाइन ने कहा कि हालात में सुधार होने तक तेल अवीव जाने वाली उसकी उड़ानें निलंबित रहेंगी। डेल्टा एयरलाइंस ने कहा कि तेल अवीव जाने वाली उसकी उड़ानें 31 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं।

भाषा

कश्मीर का परिवार निकालने की लगा रहा गुहार

गाजा में अपने परिवार के साथ रह रही एक भारतीय महिला ने मंगलवार को युद्धग्रस्त हमास शासित इलाके से तत्काल सुरक्षित निकासी की मांग की। गाजा में रह रहीं भारतीय लुबना नजीर शब्बू ने बताया, 'हम यहां एक भीषण और क्रूर युद्ध का सामना कर रहे हैं और कुछ ही सेकंड में बमबारी में सब कुछ नष्ट हो जा रहा है। हम इस संघर्ष की कीमत चुका रहे हैं क्योंकि आम नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा है।' लुबना नजीर शब्बू मूल रूप से भारत के जम्मू-कश्मीर की रहने वाली हैं। लुबना नजीर शब्बू ने कहा, 'बमबारी की आवाजें बहुत डरावनी होती हैं और पूरा घर हिल जाता है। यह बहुत ही भयावह स्थिति है।' गाजा में अपने पति नेडाल टोमन और सबसे छोटी बेटी करीमा के साथ रह रहीं लुबना ने कहा कि बिजली के अलावा पानी की आपूर्ति भी आधिकारिक तौर पर काट दी गई है। उनके दो बच्चे मिस्र की राजधानी काहिरा में पढ़ाई करते हैं। लुबना ने कहा, 'हम कहीं भी नहीं जा पा रहे हैं, क्योंकि हमारे लिए कहीं भी कोई सुरक्षित जगह नहीं है। गाजा पट्टी बहुत छोटी है और हर तरफ से बंद है। यहां पर कोई निकास बिंदु नहीं है।'

लुबना नजीर शब्बू

इजरायल ने गाजा में तेज किए हमले

इजरायली हमले में गाजा में ध्वस्त हुआ शहर

इजरायल के युद्धक विमानों ने युद्ध के चौथे दिन मंगलवार सुबह गाजा सिटी में लगातार बमबारी की जो आतंकवादी संगठन हमास द्वारा संचालित सरकार का केंद्र है। यह कार्रवाई तब की गई है जब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस्लामिक आतंकवादी समूह से ऐसा बदला लेने का संकल्प लिया है जिसकी 'गूंज कई पीढ़ियों तक सुनाई देगी।' पिछले चार दिन से जारी इस युद्ध में कम से कम 1,600 लोगों की मौत हो चुकी है।

इजरायल की सड़कों पर कई दशकों में पहली बार ऐसा खूनखराबा देखा गया और इसके जवाब में गाजा में कई इलाके नेस्तनाबूद कर दिए गए। हमास ने यह कहकर तनाव और बढ़ा दिया है कि अगर बिना पूर्व चेतावनी के नागरिकों को निशाना बनाकर हमले किए जाते हैं, तो वह बंधक बनाए गए इजराइलियों को मौत के घाट उतार देगा। इजराइली सेना ने देश के दक्षिणी हिस्से में ज्यादातर जगहों पर फिर से नियंत्रण कर लेने का दावा करते हुए कहा कि हमास के करीब 1,500 आतंकवादियों के शव इजराइली क्षेत्र में पाए गए हैं। इजरायल ने कहा कि हमास और गाजा में अन्य आतंकवादी समूहों ने हमले के बाद उसके 150 से अधिक सैनिकों तथा नागरिकों को बंधक बना लिया। इजरायल के 3 लाख अतिरिक्त सैनिकों को तैनात करने के बाद सवाल खड़ा होता है कि क्या वह छोटे से भूमध्यसागरीय तटीय क्षेत्र गाजा में जमीनी आक्रमण शुरू करेगा। उसने आखिरी बार 2014 में जमीनी आक्रमण किया था। इजरायल ने और आक्रमण रोकने के लिए गाजा सीमा पर टैंक और ड्रोन तैनात किए हैं। गाजा के पास 12 से अधिक शहरों से हजारों इजरायलियों को निकाला गया है। गाजा में लगातार जारी हवाई हमलों में इमारतों के जमींदोज होने के कारण हजारों निवासी अपने घरों को छोड़कर चले गए हैं। नेतन्याहू ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए संबोधन में कहा, 'हमने हमास पर हमला करना अभी तो शुरू ही किया है। हम आने वाले दिनों में अपने दुश्मनों के साथ जो करेंगे, उसकी गूंज कई पीढ़ियों तक सुनाई देगी।'

इजरायली पर्यटकों की बढ़ीं मुश्किलें

अजिंक्य कावले और दीपक पटेल

इजरायल में युद्ध के हालात बनने और उसके बाद उड़ानें रद्द होने के कारण वहां से भारत आने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी और पूरा ट्रैवल सीजन प्रभावित होगा। कारोबारी सिलसिले में इजरायल से भारत आने वाले लोगों की यात्रा पूरे वर्ष भर जारी रहती हैं लेकिन छुट्टियों में की जाने वाली यात्रा आमतौर पर अक्टूबर से मार्च तक होती है लेकिन इन दिनों वहां युद्ध की स्थिति बन गई है। भारतीय पर्यटन सांख्यिकी 2022 के आंकड़ों के अनुसार, 2019 में देश के यात्रियों की तादाद शीर्ष स्तर पर पहुंच गई और भारत में करीब 73,137 लोग इजरायल से आए। हालांकि, वर्ष 2021 में कोविड-19 महामारी के बाद इजरायल से केवल 4,601 लोग ही भारत आए।

इजरायल से भारत आने वाले कुल यात्रियों में से करीब 53.2 प्रतिशत यात्रियों ने वर्ष 2021 की चौथी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर के सीजन के दौरान यात्रा की। आंकड़ों के मुताबिक कैलेंडर वर्ष 2021 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में कुल यात्रियों में से 18.3 प्रतिशत ने भारत की यात्रा की और इसके बाद 16.5 प्रतिशत और 12 प्रतिशत यात्रियों ने क्रमशः चालू वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) और चालू वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में यात्रा की।

फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन टूरिज्म ऐंड हॉस्पिटैलिटी के सलाहकारी मुख्य कार्याधिकारी ने कहा, 'इस साल अक्टूबर से मार्च के बीच आने वाले कुल यात्रियों में से करीब 65-70 फीसदी यात्री के आने की उम्मीद थी लेकिन अभी युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। निश्चित रूप से छुट्टियों वाली यात्रा पूरी तरह से प्रभावित होगी क्योंकि यह अनिवार्य यात्रा के दायरे में नहीं आती है। हालांकि कारोबार के सिलसिले में होने वाली यात्रा जारी रहेगी लेकिन उड़ानें रद्द हो रही हैं, ऐसे में इस वक्त हर तरह की यात्रा टल सकती है।'

एयर इंडिया ने दिल्ली-तेल अवीव की सभी उड़ानों को रद्द करने की घोषणा की है

इस बीच, एयर इंडिया ने यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा के मद्देनजर 7 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली-तेल अवीव की सभी उड़ानों को रद्द करने की घोषणा की है। विमानन कंपनी ने कहा, 'एयर इंडिया इस अवधि के दौरान कन्फर्म बुकिंग वाले यात्रियों को पूरी मदद देगी।' मार्च 2022 में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के निलंबन को खत्म किए जाने के बाद से एयर इंडिया, भारत और इजरायल के बीच सेवाएं मुहैया कराने वाली एकमात्र विमानन कंपनी नहीं रही है। विमानन क्षेत्र की एनालिटिक्स फर्म सिरियम के मुताबिक, फिलहाल एयर इंडिया हर हफ्ते, दिल्ली और तेल अवीव को जोड़ने वाली 10 उड़ानों का संचालन करती है।

महामारी से पहले, इजरायली विमानन कंपनी के उड़ानों का संचालन भी भारत और इजरायल के बीच होता था। इजरायल की विमानन कंपनी ईएल अल इजरायल एयरलाइंस, मार्च 2021 तक हर हफ्ते एक से तीन उड़ानों की सेवाएं देती थीं। दूसरी इजरायली विमानन कंपनी अर्किया ने अक्टूबर 2019 और फरवरी 2020 के बीच भारत और तेल अवीव के बीच हर हफ्ते एक से दो उड़ानें संचालित कीं।

विमानन क्षेत्र के मूल्यांकन से जुड़े ब्लॉग नेटवर्कथॉट्स के संस्थापक अमेय जोशी ने कहा, 'एयर इंडिया को लंबे समय तक के लिए तेल अवीव की उड़ानें रद्द करनी पड़ सकती हैं। ऐसे में ईएल एएल की भारत वापसी पर भी संदेह हो सकता है जिसकी अवधि सर्दियों के लिए तय की गई है। यदि संघर्ष जारी रहता है तब बीमाकर्ता इजरायल की उड़ानों के लिए प्रीमियम बढ़ा सकते हैं क्योंकि यह युद्धरत क्षेत्र बन चुका है।' जो ट्रैवल एजेंट इस साल इजरायल से अधिक यात्रियों के आने से बेहतर कारोबार की उम्मीद कर रहे थे, वे फिलहाल विमानन कंपनियों और होटलों से यात्रियों के लिए रिफंड की कोशिश कर रहे हैं।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स के अध्यक्ष राजीव मेहरा ने अफसोस जताते हुए कहा, 'घरेलू पर्यटन की रफ्तार अब भी बढ़ी नहीं है और ऐसे में यह स्थिति भारत के पर्यटन उद्योग के लिए बड़ा झटका है। यात्रियों के आने की योजना रद्द हो चुकी है और इसका स्थायी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि युद्ध समाप्त होने तक दो से तीन महीने की यात्रा का नुकसान हो जाएगा।'

भारत के पर्यटन क्षेत्र पर असर

- इजरायल से भारत आने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ेंगी और पूरा ट्रैवल सीजन प्रभावित होगा
- इजरायल से भारत आने वाले कुल यात्रियों में से करीब 53.2 प्रतिशत यात्रियों ने वर्ष 2021 की चौथी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर के सीजन के दौरान यात्रा की

कब मिलेगा पराली के धुएं से छुटकारा

पृष्ठ 1 का शेष

परगट कहते हैं, '5 एकड़ से ज्यादा जमीन वाले किसानों को मशीन की कीमत पर 50 फीसदी सब्सिडी मिलनी थी। मगर मशीन लगाने और चलाने के लिए हमें ट्रैक्टर भी चाहिए और ट्रैक्टर 10 लाख रुपये में आता है।' वह बताते हैं कि यह रकम भी गिने-चुने किसानों को ही मिली है।

कुछ लोगों का कहना है कि सरकार कंपनियों के साथ मिलकर मशीन मुहैया कराती हैं और सब्सिडी मिलने से पहले मशीनों की कीमतें बढ़ती हैं। संगरूर से 19 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद एक शहर भवानीगढ़ के एक किसान कुलविंदर सिंह का कहना है, 'जिस मशीन की लागत 3 लाख रुपये होती है उसे अक्सर सरकार द्वारा तय किए गए विक्रेताओं के जरिये 4.5 लाख रुपये में बेचा जाता है। ऐसे में सब्सिडी के साथ भी किसानों को जितना भुगतान करना चाहिए, उससे ज्यादा भुगतान करना पड़ता है।' पहले भी कई कंपनियों ने किसानों द्वारा पराली जलाने में कमी लाने के लिए मदद करने की कोशिश की लेकिन इसमें थोड़ी या बेहद कम सफलता मिली। कई रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा है कि एनटीपीसी ने दावा किया था कि वह चार साल तक 2 करोड़ टन पराली का इस्तेमाल कर उसे जैवईंधन में बदलेगी लेकिन उसे केवल 35 लाख टन पराली ही मिल पाई।

सरकारी कंपनियां इस मकसद से नवंबर 2017 से ही लगातार विज्ञापन अभियान चला रही हैं। एनटीपीसी के अधिकारियों का कहना है कि अब समस्या अधिक आपूर्ति की है। उनका कहना है कि किसी भी पराली जलाने वाले राज्यों ने खेती के अवशेष से जैवईंधन बनाने के लिए निवेश नहीं किया है और न ही कोई इकाई स्थापित की है।

अन्य किसानों ने इस ओर इशारा किया कि सिंचाई से जुड़ी परेशानी ने भी राज्य में पराली जलाने की समस्या में योगदान दिया है। राज्य में 1960 के दशक की हरित क्रांति की शुरुआत से ही पंजाब ने कृषि में विविधता वाली फसलों (मूंग, ज्वार आदि) से लेकर धान और गेहूं के दो फसलों वाले चक्र को अपनाया है। राज्य में खेती में बदलाव आ रहा है और पानी की ज्यादा खपत वाली धान की फसल ने पंजाब के खेतों में अपना दबदबा बढ़ाना शुरू कर दिया है।

हालांकि इसके चलते भूजल स्तर कम हो रहा है और इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए ही राज्य में 2009 में पंजाब अवभूमि जल संरक्षण कानून लाया गया है। इस कानून के तहत सरकार द्वारा तय तारीख के बाद ही धान की रोपनी करने की अनुमति दी जाती है जो समय मॉनसून के आने के बाद का वक्त होता है। इसमें तर्क यह दिया गया कि किसानों को भूजल पर निर्भर रहने के बजाय बारिश के पानी से फायदा मिलेगा।

हालांकि अक्टूबर 2021 प्रकाशित एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि कानून बनने से कोई फर्क नहीं पड़ता है और सभी राज्यों में पंजाब में सबसे ज्यादा भूजल निकाला जाता है और यह भूजल निकालने की 66 फीसदी की सीमा से कहीं ज्यादा है। कुछ किसानों का कहना है कि उन्हें धान की रोपाई करने में देरी होती है इसकी वजह से फसल भी देर से काटी जाती है। ऐसे में उनके पास गेहूं की बोआई करने के लिए खेत को तैयार करने का कम समय होता है। ऐसे में उन्हें पराली जलानी पड़ती है।

लुधियाना से 19 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद डेहलन के किसान करमजीत सिंह का कहना है, 'भूजल में कमी के लिए किसानों को दोषी ठहराना सही नहीं है। हम भूजल का इस्तेमाल इसलिए करते हैं क्योंकि हमें नदियों से कुछ नहीं मिलता है। नदियों का ज्यादातर पानी दूसरे राज्यों को भेजा जाता है ऐसे में किसानों को भूजल जैसे वैकल्पिक साधनों की तलाश करनी पड़ती है। हम लोगों के लिए अनाज उगाने के लिए भूजल का इस्तेमाल करते हैं। आप देखिए कि उद्योग क्या कर रहे हैं। वे विषाक्त पानी को नदियों में बहा देते हैं और ये भूमि में भी जाता है। उन्हें कोई कुछ नहीं कहता है। हम पर निशाना साधना सबके लिए आसान है।'

किनू की फसल के लिए मशहूर जगह अभोर को अक्सर पंजाब का कैलिफॉर्निया कहा जाता है और भूजल स्तर घटने से यह क्षेत्र और यहां की फसल प्रभावित हुई है। जब एक किसान से पूछा गया कि वे क्या फिर से विविध फसलों को अपनाना चाहते हैं तब उन्होंने कहा कि अगर सरकार किसानों के अनुकूल योजनाएं लाती है और फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिलेगा तब वे ऐसा विकल्प चुन सकते हैं।

अंबानी सबसे अमीर, अदाणी दूसरे नंबर पर खिसके

राघव अग्रवाल

देश के मशहूर उद्योगपति मुकेश अंबानी वर्ष 2023 में करीब 8.08 लाख करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर अरबपति बन गए हैं। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंबानी, अदाणी समूह के संस्थापक और अध्यक्ष गौतम अदाणी को पीछे छोड़ते हुए सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं। पिछले साल यह खिताब गौतम अदाणी के खआते में थे। साल के दौरान अंबानी की संपत्ति में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

भारतीय अमीरों से जुड़ी '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया' 2023 की सूची के अनुसार, जनवरी में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट प्रकाशित होने के कारण अदाणी की संपत्ति 57 प्रतिशत घटकर 4.74 लाख करोड़ रुपये हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि वर्ष 2022 में अदाणी इस सूची में अंबानी से आगे थे और उनकी संपत्ति में यह अंतर करीब 3 लाख करोड़ रुपये तक का है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के 66 वर्षीय प्रमुख की संपत्तियां मामूली दो प्रतिशत बढ़कर 8.08 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं, जबकि अडाणी की संपत्ति 57 प्रतिशत घटकर 4.74 लाख करोड़ रुपये रह गई है। इस साल अंबानी ने उन्हें 3.3 लाख करोड़ रुपये के मार्जिन से पछाड़ दिया। हालांकि वर्ष 2023 में संपत्ति में अच्छी-खासी कमी आने के बावजूद पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे ज्यादा मुनाफा पाने वाले अमीर भारतीयों में अदाणी भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक उनकी संपत्ति वर्ष 2019 के 94,500 करोड़ रुपये से पांच गुना हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची के शीर्ष 10 अमीर अरबपति में से आठ ने वर्ष 2023 में अपनी संपत्ति में बढ़ोतरी देखी है। केवल दो उद्योगपतियों अदाणी और राधाकिशन दमानी की संपत्ति घटी और उनकी संपत्ति में 18 फीसदी की कमी आई और यह 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गई।

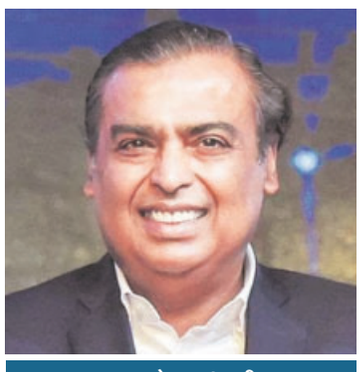

मुकेश अंबानी

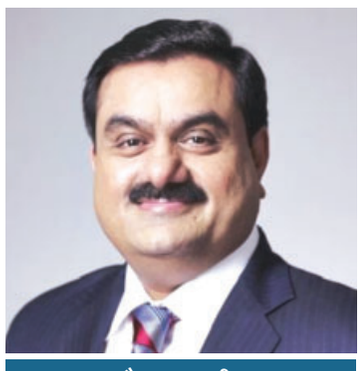

गौतम अदाणी

अंबानी और अदाणी के बाद टीका (वैक्सीन) बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक, साइरस पूनावाला अब भी तीसरे सबसे अमीर भारतीय बने है और उनकी संपत्ति 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.78 लाख करोड़ रुपये हो गई हैं। इस तरह पूनावाला की संपत्ति में करीब 73,100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शिव नादर की संपत्ति में 23 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और वह 2.28 लाख करोड़ रुपये की संपत्तियों के साथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं हिंदुजा समूह के गोपीचंद हिंदुजा 1.76 लाख करोड़ रुपये की हैसियत के साथ पांचवे स्तर पर हैं। नादर और हिंदुजा की हैसियत वर्ष 2023 में क्रमशः 23 फीसदी और 7 फीसदी बढ़ी है।

दिलचस्प बात यह है कि इस साल अपने शिक्षा प्रौद्योगिकी (एडटेक) स्टार्टअप के मूल्यांकन में कमी आने के कारण बैजूस रवींद्रन इस सूची में अपनी जगह नहीं बना सके। वर्ष 2022 की रिपोर्ट में वह इस सूची में 49वें स्थान पर थे और उनकी संपत्ति 30,600 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के कुल 1,319 अरब-पतियों में से 328 मुंबई से थे जबकि इस सूची में शामिल 199 अरबपति नई दिल्ली और 100 बेंगलूरु से हैं।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्र.का. परिसर विभाग
ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक-3, एनबीसीसी टॉवर्स
साउथ एक्सटेन्शन, ईस्ट किदवई नगर, न्यू दिल्ली-110023
दूरभाष: 011-25719082, ई-मेल: ho.pr@psb.co.in
जहाँ सेवा ही जीवन - ध्येय है
निविदा सूचना
पंजाब एण्ड सिंध बैंक पैनल में शामिल होने के लिए योग्य बीमा दलालों से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करता है।
प्रासंगिक विवरण और ईओआई डाउनलोड करने के लिए कृपया बैंक की वेबसाइट https://punjabandsindbank.co.in/module/tender-list पर जाएं। उक्त ईओआई से संबंधित कोई भी अन्य परिवर्तन केवल बैंक की वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।
दिनांक 11.10.2023 सहायक महाप्रबंधक

PROFITMART ISSUED IN PUBLIC INTEREST
PROFITMART SECURITIES PVT LTD (PSPL)
- पीएसपीएल अपने ग्राहकों को श्रेणीगत प्रबंधन उत्पादों अथवा किसी भी गारंटीकृत, आश्वस्तिकारक या स्थायी धनलाभ (रिटर्न्स) का प्रस्ताव नहीं देती है, क्योंकि प्रतिभूतियों के बाजार में किया जानेवाला निवेश, बाजार जोखिम के अधीन है।
- पीएसपीएल, व्यापारकारक खातों के लिये रोकड़ स्वीकार नहीं करती; समस्त लेन-देन विशिष्ट रूप में www.profitmart.in पर विद्यमान बैंक के खाता विवरणों के माध्यम से संचालित किये जाते हैं। किसी भी अन्य वेबसाइट की धोखाधड़ी में न फंसें।
- अपनी व्यापारिक आईडी एवं पासवर्ड की जानकारी प्रकट न करें; पीएसपीएल तथा इसके कर्मचारीगण/प्राधिकृत व्यक्ति (एपी) कभी भी इन्हें प्रकट करने का निवेदन नहीं करते।
- किसी भी ऐसे व्यक्ति का सत्यापन करने के लिये हमारे कस्टमर केयर केंद्र से संपर्क करें, जो पीएसपीएल का कर्मचारी / प्राधिकृत व्यक्ति होने का दावा कर रहा है।
- लेन-देन विवरण, पूर्ण रूप में हमारी पंजीकृत आईडी ecn@profitmart.co.in की ओर से ईमेल किये जाते हैं; अन्य आईडी से प्राप्त होनेवाली ईमेल्स से सावधान रहें।
M/s. PROFITMART SECURITIES PVT. LTD.,
Unit No 213, Opal Square, Plot No C-1, Thane, Mumbai – 400604.
Email support@PROFITMART.IN Tel: 020 49119119

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
www.bankofbaroda.in
निविदा सूचना
बैंक ऑफ़ बड़ौदा निम्नलिखित के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है:

क्रम. सं.	निविदा का नाम	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	व्हाट्सऐप बिज़नेस एपीआई सोल्यूशंस प्रदान करने के लिए सेवा प्रदाता का चयन।	01.11.2023

विस्तृत विवरण बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर निविदा खंड में उपलब्ध है।
"परिशिष्ट", यदि कोई हो, को बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर निविदा खंड में जारी किया जाएगा। प्रस्ताव को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने से पहले बोलीकर्ता इसे अवश्य देख लें।
स्थान : मुंबई
दिनांक : 11.10.2023 मुख्य महाप्रबंधक (आईटी) (84/23-24)